MT EDUCARE LTD.

QUEST- II (Semi Prelim - II)
2018 - 19

अपठित गद्यांश एवं पद्यांश, गद्य - एक कहानी यह भी, स्त्री-शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन, नौबतखाने में इबादत, संस्कृतिः, **पद्य** - उत्साह / अट नहीं रही है, यह दंतुरित मुसकान / फसल , छाया मत छूना, कन्यादान, संगतकार, **कृतिका** - एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा !, मैं क्यों लिखता हूँ ?, **व्याकरण, लेखन**

SET B

CBSE - X

Roll No. | | | | | | | |

Code No. 52/1

Series LRH/1

•	खण्डः क	:	अपठित बोध 15 अंक
•	खण्डः ख	:	व्यावहारिक व्याकरण 15 अंक
•	खण्डः ग	:	पाठ्यपुस्तक क्षितिज व पूरक पाठ्पुस्तक कृतिका 30 अंक
•	खण्डः घ	:	लेखन 20 अंक

Time allowed **:** 3 hours ***Maximum Marks*** **:** 80

HINDI COURSE - A

General Instructions :

(1) इस प्रश्न- पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग और घ ।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खण्ड: 'क'

Q.1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [8]

एक दिन बहुत तेज गर्मी पड़ रही थी । एक छोटे से कोटर (वृक्ष के घोंसले) में चातक-पुत्र प्यास से बेहाल हो रहा था । उसने अपने पिता चातक को बताया कि प्यास के मारे उसके प्राण चोंच तक आ गए हैं । पिता ने धैर्य रखने को कहा । उसने पुत्र को कहा कि हम केवल बादलों का जल ही ग्रहण करते हैं । यही हमारे कुल का व्रत है । पुत्र ने पिता की बात का विरोध करते हुए कहा कि ऐसा व्रत पालन करना व्यर्थ है । मैं इस व्रत को तोड़ूँगा । मेरे प्राण निकल रहे हैं । अतः मैं बादलों के स्थान पर किसी अन्य स्थान से जल ग्रहण करुँगा । क्या उस पोखरी से जल पीओगे जहाँ से अन्य पशु-पक्षी जल पीते हैं ? चातक-पुत्र पोखरे के गंदे जल की याद करते ही बेमन हो गया । वह बोला, ''मैं गंगाजल ग्रहण करुँगा ।'' पिता ने उसे कहा कि गंगाजी तो यहाँ से बहुत दूर हैं । वहाँ जाने के लिए पाँच दिन की उड़ान चाहिए । यदि तू नहीं मानता तो जा, पर रास्ते में कहीं और एक बूँद भी पानी मत पीना । चातक-पुत्र उड़ गया ।

बुध्दन बहुत गरीब था । वह पक्षाघात का रोगी था । उसका बेटा गोकुल 15-16 वर्ष का था और वही मजदूरी करके घर का खर्च चलाता था । चातक पुत्र उड़ते हुए उनके घर के आँगन के बीच नीम के वृक्ष पर विश्राम करने के लिए उतरा । उस दिन गोकुल ने घर लौटने में बहुत देर कर दी । बुध्दन दुखी हो रहा था । गोकुल पिता के पास आकर रोने लगा । पिता के पूछने पर उसने बताया कि उसे रास्ते में एक बटुआ पड़ा हुआ मिला । इसमें काफी रुपये थे उसे अपने पिता की शिक्षा याद आ गई और गरीबी की हालत में भी उसे उस बटुए के मालिक की परेशानी का ध्यान आया । वह बटुए के मालिक को ढूँढने लगा । उसको पता चला बटुआ एक मेहता का है । तुरंत वह मेहता की तलाश में गया मेहता को उसका बटुआ सौंप दिया । मेहता ने तो उसको दो रुपये इनाम देने चाहे, पर गोकुल ने साफ इंकार कर दिया। गोकुल ने कहा, ''मेरे पिता ने किसी से भीख लेने के लिए मना किया है । मुफ्त के रुपये मैं न लूँगा ।''

गोकुल की बातें सुनकर बुध्दन की आँखों से झर-झर आँसू बहने लगे । उसे अपने पुत्र की ईमानदारी पर गर्व हुआ । उसके निर्जीव शरीर में स्फूर्ति आ गई । जब बेटे ने मेहता से उधार न माँगने के लिए अपनी भूल का जिक्र किया तो पिता ने कहा, ''अच्छा ही किया बेटा, जो तू मेहता से रुपये उधार नहीं लिया । यह उधार माँगना भी एक तरह का माँगना ही होता है ।'' बुध्दन ने बेटे से कहा ''जिस तरह चातक अपने प्राण देकर भी मेघ के सिवा किसी दूसरे का जल लेने का व्रत नहीं तोड़ता उसी तरह तू भी ईमानदारी की टेक न छोड़ना । चाहे जितनी बड़ी विपत्ति पड़े, अपनी नियत न डुलाना ।''

इस बात को वृक्ष के ऊपर बैठा हुआ चातक-पुत्र सुन रहा था । वह अपनी भूल समझ गया । प्रातः होते ही वह अपने कोटर की दिशा में लौट चला । अब उसकी उड़ान तेज

हो गई थी । उसे कोटर तक पहुँचने में सात दिन लग गए । अगले ही दिन बादलों ने ऐसी झड़ी लगा दी थी कि उसे रास्ते में कई जगह रुकना पड़ा था । इस कहानी से यह शिक्षा मिलती है कि हमें कष्ट उठाकर भी अपने व्रत का पालन करना चाहिए । व्रत का फल अवश्य मिलता है ।

प्रश्न :

(क) चातक-पुत्र की क्या दशा थी ? इसका कारण क्या था ? **[2]**

(ख) उसने अपने पिता से क्या कहा और उसने क्या उत्तर दिया ? **[2]**

(ग) चातक-पुत्र ने क्या निश्चय प्रकट किया ? **[1]**

(घ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए । **[1]**

(ङ) इस कहानी से क्या शिक्षा मिलती है ? **[2]**

[7]

Q.2. निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

शांति नही तब तक, जब तक
सुख-भाग न सबका सम हो ।
नहीं किसी को बहुत अधिक हो ।
नहीं किसी को कम हो ।
स्वत्व माँगने से न मिले,
संघात पाप हो जाएँ ।
बोलो धर्मराज, शोषित वे
जियें या कि मिट जाएँ ?
न्यायोचित अधिकार माँगने
से न मिले, तो लड़ के ।
तेजस्वी छीनते समर को,
जीत, या कि खुद मर के ।
किसने कहा, पाप है समुचित
स्वत्व-प्राप्ति-हित लड़ना ?
उठा न्याय का खड्ग समर में
अभय मारना-मरना ?

प्रश्न :

(क) धर्मराज से पूछा गया प्रश्न हिंदी गद्य में लिखो । **[2]**

(ख) तेजस्वी लोगों की क्या पहचान है ? **[2]**

(ग) कौन - सा युद्ध निष्पाप है ? **[1]**

(घ) शांति के लिए क्या आवश्यक है ? **[1]**

(ङ) इसका शीर्षक लिखें । **[1]**

खण्ड: 'ख'

Q.3. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए । **[1 × 3 = 3]**

(क) वह जूते खरीदने के लिए बाजार गया । (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ख) मुझे वहाँ जाना था सवेरे उठना पड़ा । (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ग) बादल घिर आए और वर्षा होने लगी। (रचना के आधार पर वाक्य भेद लिखिए)

Q.4. निम्नलिखित वाक्यों में वाच्य परिवर्तन कीजिए । **[1 × 4 = 4]**

(क) हमसे जोर से नहीं बोला जाता । (कर्तृवाच्य में)

(ख) रमा अपशब्द नहीं बोलती । (कर्तृवाच्य में)

(ग) बच्चे मैदान में खेल रहे हैं । (भाववाच्य में)

(घ) बीमारी के बाद दादी चल भी नहीं पाती । (भाववाच्य में)

Q.5. रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए । **[1 × 4 = 4]**

(क) (ज) योग्य पिता की संतान भी योग्य होती है ।

(ख) (ङ) घर में कौन रहता है ?

(ग) (च) घंटी बजी है, कोई आया है ।

(घ) (छ) ताजमहल का सौंदर्य दर्शनीय होता है ।

Q.6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए । **[1 × 4 = 4]**

(क) श्रृंगार को रसराज क्यों कहा जाता है ?

(ख) वीर रस का मूल स्थायी भाव लिखिए ।

(ग) संचारीभाव किसे कहते हैं ?

(घ) शांतरस से संबंधित काव्य पंक्तियाँ लिखिए ।

खण्ड: 'ग'

Q.7. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए । **[5]**

आग के आविष्कार में कदाचित पेट की ज्वाला की प्रेरणा एक कारण रही । सुई-धागे के आविष्कार में शायद शीतोष्ण से बचने तथा शरीर को सजाने की प्रवृत्ति का विशेष हाथ रहा । अब कल्पना कीजिए उस आदमी का जिसका पेट भरा है, जिसका तन ढँका है, लेकिन जब वह खुले आकाश के नीचे सोया हुआ रात के जगमगाते तारों को देखता है, तो उसको केवल इसलिए नींद नहीं आती क्योंकि वह यह जानने के लिए परेशान है कि आखिर यह मोती भरा थाल क्या है ? पेट भरने और तन ढँकने की इच्छा मनुष्य की संस्कृति की जननी नहीं है । पेट भरा और तन ढँका होने पर भी ऐसा मानव जो वास्तव में संस्कृत है, निठल्ला नहीं बैठ सकता ।

हमारी सभ्यता का एक बड़ा अंश हमें ऐसे संस्कृत आदमियों से ही मिला है, जिनकी

चेतना पर स्थूल भौतिक कारणों का प्रभाव प्रधान रहा है, किंतु उसका कुछ हिस्सा हमें मनीषियों से भी मिला है जिन्होंने तथ्य-विशेष को किसी भौतिक प्रेरणा के वशीभूत होकर नहीं, बल्कि उनके अपने अंदर की सहज संस्कृति के ही कारण प्राप्त किया है । रात के तारों को देखकर न सो सकने वाला मनीषी हमारे आज के ज्ञान का ऐसा ही प्रथम पुरस्कर्ता था ।

प्रश्न :

(क) मोती भरा थाल किसे कहा गया है ? उसके बारे में जानने के उत्सुकों को क्या कहा गया है ? **[2]**

(ख) ११शारीरिक आवश्यकताओं से मुक्त व्यक्ति कब संस्कृत कहलाता है ? **[2]**

(ग) सुई-धागे के आविष्कार के पीछे मानव का कौन-सा मनोभाव रहा होगा ? **[1]**

Q.8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए । [2 × 4 = 8]

(क) आग की खोज एक बहुत बड़ी खोज क्यों मानी जाती है ? इस खोज के पीछे रही प्रेरणा के मुख्य स्त्रोत क्या रहे होंगे ? **[2]**

(ख) सुषिर-वाद्यों से क्या अभिप्राय है ? शहनाई को 'सुषिर वाद्यो में शाह' उपाधि क्यों दी गई होगी ? **[2]**

(ग) पुराने समय में स्त्रियों द्वारा प्राकृत भाषा में बोलना क्या उनके अपढ़ होने का सबूत है–पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए । **[2]**

(घ) वह कौन-सी घटना थी जिसके बारे में सुनने पर लेखिका को न अपनी आँखों पर विश्वास हो पाया और न अपने कानों पर ? **[2]**

Q.9. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [5]

धन्य तुम, माँ भी तुम्हारी धन्य !
चिर प्रवासी मैं इतर, मैं अन्य !
इस अतिथि से प्रिय तुम्हारा क्या रहा संपर्क
उँगलियाँ माँ की कराती रही हैं मधुपर्क
देखते तुम इधर कनखी मार
और होती जब कि आँखें चार
तब तुम्हारी दंतुरित मुसकान
मुझे लगती बड़ी ही छविमान !

प्रश्न :

(क) कवि को बच्चे की मुसकान सबसे सुंदर कब लगती है । **[2]**

(ख) कवि स्वयं के लिए 'चिर प्रवासी','इतर' और 'अन्य' विशेषणों का प्रयोग क्यों करता है ? **[2]**

(ग) दंतुरित मुसकान से क्या तात्पर्य है ? **[1]**

Q.10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए । [2 × 4 = 8]

(क) 'उत्साह' कविता में बादल किन - किन अर्थों की ओर संकेत करता है ? **[2]**

(ख) कवि ने बच्चे की मुसकान के सौंदर्य को किन-किन बिंबो के माध्यम से व्यक्त किया है ? **[2]**

(ग) 'मृगतृष्णा' किसे कहते हैं, कविता में इसका प्रयोग किस अर्थ में हुआ है ? **[2]**

(घ) माँ को अपनी बेटी 'अंतिम पूँजी' क्यों लग रही थी ? **[2]**

Q.11. हमारी आजादी की लड़ाई में समाज के उपेक्षित माने जाने वाले वर्ग का योगदान भी कम नहीं रहा है । इस कहानी में ऐसे लोगों के योगदान को लेखक ने किस प्रकार उभारा है ? **[4]**

अथवा

लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया ?

खण्ड: 'घ'

Q.12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 200 - 250 शब्दों में निबंध लिखिए । [10]

(क) **विज्ञान : वरदान या अभिशाप**

विज्ञान मानव–जीवन के लिए वरदान तो है ही, परंतु कभी–कभी इसका विकृत रूप भी हमारे सामने आता है । दोनों पक्षों का विवेचन करते हुए अपनी धारणा स्पष्ट कीजिए ।

विचार-बिंदु –
- विज्ञान : एक वरदान
- विज्ञान : एक अभिशाप
- अमानवीयता
- निष्कर्ष ।

(ख) **मन के हारे हार है, मन के जीते जीत**

मनुष्य मन से चलता है । आशा और निराशा उसके दो पक्ष हैं । आशावादी मन से विजय मिल सकती है । इस विषय पर एक निबंध लिखिए ।

विचार-बिंदु –
- मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति : मन
- मन के दो पक्ष : आशा-निराशा
- मन की विजय का अर्थ
- मन पर विजय पाने का मार्ग
- मानसिक विजय ही वास्तविक विजय ।

(ग) **श्रम का महत्त्व**

विकास के लिए श्रम आवश्यक है । परिश्रम विवेकपूर्ण होना चाहिए । उसके लाभों का उल्लेख करते हुए एक निबंध लिखिए ।

विचार-बिंदु –
- संसार में आज जो भी ज्ञान-विज्ञान की उन्नति और विकास है, उसका कारण है परिश्रम
- परिश्रम करने में बुद्धि और विवेक आवश्यक
- परिश्रम से मिलने वाले लाभ
- उपसंहार ।

Q.13. चुनाव के दिनों में आपके शहर की दीवारें नारे लिखने और पोस्टर चिपकाने से गंदी हो गई हैं । इस समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए । **[5]**

अथवा

अपने जन्मदिन पर मित्र द्वारा भेजे गए उपहार के लिए धन्यवाद-पत्र लिखिए ।

Q.14. नयन बिल्डर्स नौकरी करने वालों के लिए मकान बनाने की योजना बना रहा है । ५००० रु. महीना की २० साल तक किश्तें दे सकने वाले आवेदन करें । एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए । **[5]**

अथवा

आपके नगर दिल्ली में एक नया जिम खुला है, जिसमें कुशल प्रशिक्षक की देखरेख में व्यायाम की सुविधा है । एक विज्ञापन तैयार कीजिए ।

All the Best 👍